DEPARTMENT

OF

HINDI

ANNUAL REPORT

2024-25

1 BRIEF HISTORY -

Department of Hindi

The Department of Hindi, existed right from the establishment of Karim City College, therefore it has a glorious history of struggle and remarkable works for the development of the college, itself and the welfare of society. The first Head of the Department was Professor Sangram Singh, who joined in the month of 1st October' 1963, worked hard with his colleagues for the solid foundation of future prospects. Prof. (Dr)Tribhuvan Ojha and Dr. Safiullah Ansari were the Assistant Professors of Dept. of Hindi, Karim City College. After the dignified retirement of Prof. Sangram Singh in the month of June' 1995, Dr. Tribhuvan Ojha (who was working from 1st August' 1967) took charge of the Head of the Department. Dr. Safiullah Ansari was the Assistant Professors of Dept. of Hindi, Karim City College. After the dignified retirement of Prof. (Dr)Tribhuvan Ojha in the month of Jan' 1998, Dr. Safiullah Ansari (who was working from 16th July' 1987) took charge of the Head of the Department. Dr. H.K. Pandey and Dr. Subhas Gupta were the faculty members. Dr. H.K. Pandey retired in the month of April, 2016. After the dignified retirement of Dr. Safiullah Ansari in the month of Nov' 2021, Dr. S.C. Gupta took charge of the Head of the Department in the month of Dec' 2021. Dr. Sandhya Sinha was working as Assistant Professor from 06.08.2015 on adhoc basis. Dr. Sandhya Sinha has joined on 04.03 2022 as Assistant Professor. Dr. Firoj Alam is working as Assistant Professors on ad-hoc basis. Currently in Dept. of Hindi, Dr. S.C. Gupta is Head of the Dept. and Dr. Sandhya Sinha and Dr. Firoj Alam are Assistant Professors.

Year 2010 was a Golden Year when keeping in mind the smooth and exemplary working and vision of the Department, the Kolhan University offered the course of Honors in Hindi to Karim City College. The College accepted this responsibility and from the year 2010 Hindi Honors course has been running along with all previous courses successfully. The Dept. has instituted general courses for Graduation level students. In the year 2017 CBSC graduation course came in force and according to this syllabus the honours and pass-course was running along with all previous courses successfully. In the year 2021 the National Policy of Education introduced which is characterised with Four Year Undergraduate Programme (FYUP). In graduation there is Hindi Major, Minor, Multiple Disciplinary Course (MDC) and Abilities Enhancement Course (AEC) of Hindi students in all the streams viz. Arts, Science, commerce and Vocational Courses. Along with these, the 5th and 6th semesters of old course of CBCS is running in which Hindi Hons, MIL, SEC, DSC etc course are going on for the honours and programme course for non-honours students. At

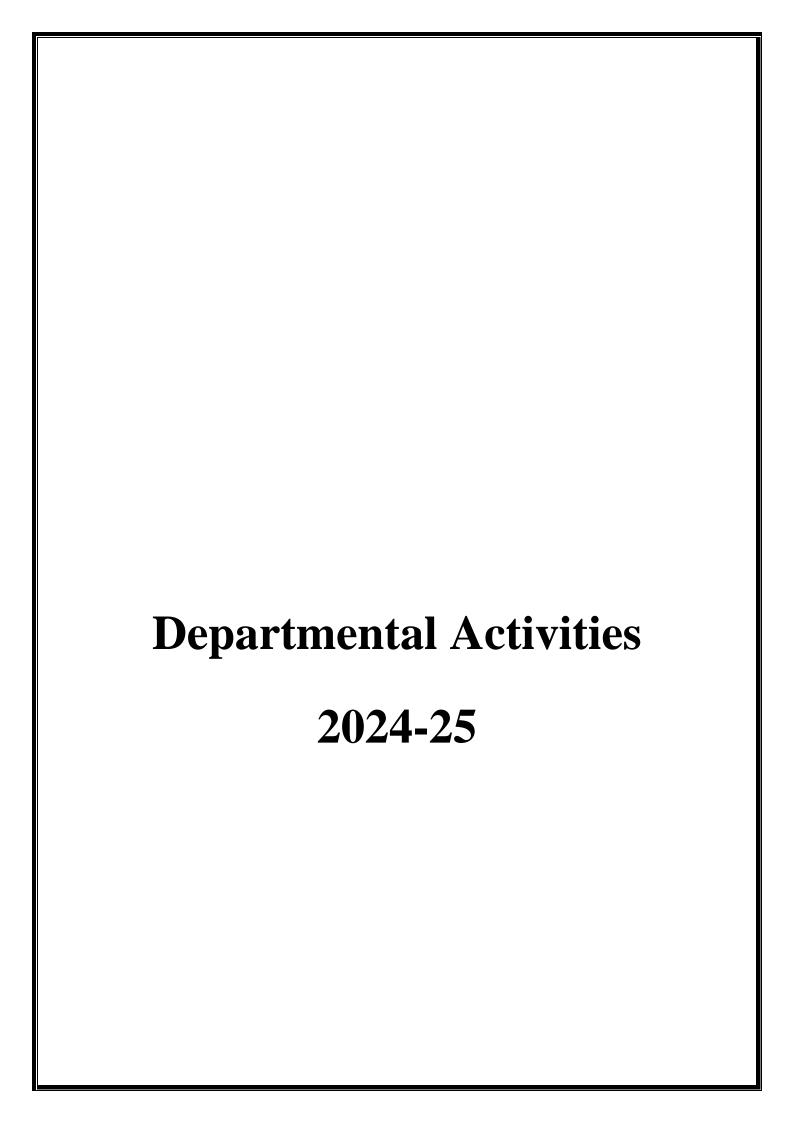
Graduation level, Hindi courses are being taught as a subsidiary subject, MIL for all three streams and Non Hindi for non-Hindi students in science, arts and commerce. GE Hindi is also optional paper for all the students of graduation.

However, even with all these above courses the Department has organized from time to time many extra and co-curricular activities to nurture the literary interest, literary skills and reading-writing habits of standard and utility-based literatures. Essay and Debate competitions, Kavi-Goshthi, Katha-Vachan and Guest-Lectures are the main activities in this regard. It is a matter of pride for the College that many alumni are contributing their literary works on state, national and even international platforms.

Every year the Department produces a good number of Hindi Honors graduates who keep the Karim City College name flying high.

Department Profile

Establishment Year :	1961	
Previous Head &	PROF. SANGRAM	Head
Teachers:	SINGH	1st October' 1963 to
		June' 1995
	PROF (DR.)	Faculty
	TRIBHUVAN OJHA	1st August' 1967 to
		Jan' 1998
		Head from June' 1995 to Jan'
		1998
	DR HARENDRA	Faculty from
	KISHORE PANDEY	April, 2016
	DR. SAFIULLAH	Faculty from 16th July' 1987 to
	ANSARI	Jan' 1998
		Head – Jan' 1998 to Nov' 2022
Present faculty	1 DR.	Faculty
members:	SUBHASHCHANDRA	1st July' 1999 to Nov'2022
	GUPTA	Head – from Dec 2022 to date
	2 DR. SANDHYA SINHA	Faculty
		From- 08.08.2015 to date.
	3 DR. FIROJ ALAM	Faculty
		From- 02.07.2022 to date.



KARIM CITY COLLEGE

DEPARTMENT OF HINDI

Proposed Activity Calendar – 2024-25

Sl. No	Date/ Month	Activity	Detail	
1.	July' 31	Premchand Jayanti Saptah - prarambh	Premchnd ki Kahaniyon ka Vachan	
2.	August' 03	Premchand Jayanti Saptah – samapan	Guest Lecture – Dr. Shankarmuni Ray, Chhattisgadh	
3.	Sept'03	Departmental Seminar	Rahi Masoom Raza	
4.	Sept'13	Hindi divas Essey writing Competition	Topic –Hindi Bhasha ki Uplabdhiyan Aur Chunautiyan	
5.	October'09 (2023)	Departmental Seminar	Harishankar Parsai: Vyaktitva Evm Krititva	
6.	November'19 (2023)	Bhartiya Bhasha	C Subrahmanyam ki Kavitaon Ka Path	
7.	Dec'19 (2024)	Shikshak Abhibhavak Milan	Shikshak Abhibhavak Milan	
8.	Jan'03 (2024)	Gantantra Divas	Hindi Kahani Me Shram-Jivan	
9.	Feb' 8	Kisani Jivan par Kavita lekhan/Vachan		
10.	March 10	Antarrashtriy Mahila Divas	Hindi Stri Lekhan ki disha dasha	
11.	April	Twarit Bhashan Pratiyogita		
12.	May'	Mazdoor Divas		
13.	June'	Kabir Jayanti		

Head

Departmental Activities 2024-25

1 प्रेमचंद जयंती - "कथा-मंथन"

दिनांक 31 जुलाई 2024 स्थान – ई क्लासरूम

दिनांक 31 जुलाई 2024 को हिंदी विभाग करीम सिटी कॉलेज में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'कथा-मंथन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र एवं छात्राओं ने प्रेमचंद की विविध कहानियों पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कालेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रेयाज ने कहा कि आज भी प्रेमचंद प्रासंगिक है जिन समस्याओं को प्रेमचंद ने उठाया वे समस्याएं आज भी हमारे समाज में विद्यमान है। विभाग के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र गुप्त ने छात्रों को प्रेमचंद की कहानियों से अवगत कराते हुए आज की प्रासंगिकता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि आज भी प्रेमचंद किस प्रकार पठनीय है। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभिन्न छात्र एवं छात्राओं ने अपनी अपनी प्रतिभागिताएं सुनिश्चित की। जिसमे हिंदी विभाग के विद्यार्थीगण शाश्वत, प्रतिभा, निशा भट्टाचार्यजी, सुशांत बोबंगा, मिष्टी प्रिया, आदि ने प्रेमचंद की रचनाओं का पाठ किया और वर्तमान समाज में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा की।

कथा मंथन के पुरस्कार की घोषणा डॉ संध्या ने किया जिसमें प्रथम पुरस्कार शाश्वत और मारिया को मिला, द्वितीय प्रतिभा और निशा ने प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार सुशांत बोबोंगा और मिष्टी प्रिया को मिला।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. संध्या सिन्हा ने किया जबिक धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापक डाॅ. फिरोज आलम ने किया।







निहा ने प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार पुशांत बोबींगा और मिही प्रिया को मिला, कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की प्रारम्पापकः हाँ, संध्या सिन्हा ने किया जबके सन्यवाद क्रांपन प्रारम्बाधक हा.

वर्कर्स कॉलेज के हिंदी विभाग ने मनाई प्रेमचंद की जयंती

र प्रमानद को जयती वर्ण सर्वर्भ कालेज में आज क्रिक



उदित वाणी





सुराति बोबंगा, मिष्टी प्रिया, आदि ने प्रेमचंद की रचनाओं का पाठ किया.



Anne The

कार्यक्रम संख्या – 2

2 कार्यक्रम - ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान

दिनांक - 02.08.2024

स्थान - E क्लासरूम 2, समय 2 बजे अपराह्न

विषय - "प्रेमचंद और आज"

मुख्य वक्ता - डॉ. शंकर मुनि राय, विभागाध्यक्ष शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छत्तीसगढ़

प्रेमचंद जयंती समारोह -2024 के तीसरे दिन हिंदी विभाग, करीम सिटी कॉलेज ने अतिथि ट्याख्यान से समापन किया।

आज दिनांक 2 अगस्त 2024 को हिंदी विभाग करीम सिटी कॉलेज में प्रेमचंद जयंती के तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन में अतिथि व्याख्यान का कार्यक्रम का आयोजित किया गया। विषय था " प्रेमचंद और आज " मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर शंकर मुनि राय, विभाग अध्यक्ष शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छत्तीसगढ़ उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कॉलेज के प्राचार्य डॉ मो रेयाज में अतिथि का स्वागत करते हुए प्रेमचंद की कहानियों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

विषय प्रवेश डॉ संध्या सिन्हा ने हिन्दी साहित्य में प्रेमचंद के महत्व को रेखांकित किया।

अतिथि वक्ता डॉ राय ने अपना वक्तव्य प्रारंभ करते हुये छात्रों को प्रेमचंद की कहानियों से अवगत कराया और उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा की और उन्होंने छात्रों को सम्बोधित किया कि आज भी प्रेमचंद पठनीय है। उन्होंने कहानियों से उदाहरण देते हुए उनकी विशेषताओं की चर्चा की।

विभाग के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र गुप्त ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और अपने विचार रखे। अंत मे छात्र-छात्राओं ने अपने प्रश्न और शंकाओं को वक्ता के सम्मुख रखा जिसका संतोषजनक उत्तर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कालेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रेयाज ने कहा कि आज भी प्रेमचंद प्रासंगिक है। जिन समस्याओं को प्रेमचंद ने उठाया व समस्याएं आज भी हमारे समाज में विद्यमान है। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सभी सेमेस्टर के छात्र एवं छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम का संयोजन और संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. संध्या सिन्हा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापक डॉ. फिरोज आलम ने किया।



हिंदुस्तान



करीम सिटी कॉलेज में प्रेमचंद जयंती पर कथा मंथन का आयोजन करीम सिटी कॉलेज में हिंदी विभाग की ओर से कथा-मंथन का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल डॉ एम. रेयाज ने कहा- प्रेमचंद आज भी प्रासंगिक हैं। जिन समस्याओं को प्रेमचंद ने उठाया, वे समस्याएं आज भी हमारे समाज में विद्यमान हैं। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र गुप्त ने छात्रों को प्रेमचंद की कहानियों से अवगत कराते हुए आज की प्रासंगिकता पर चर्चा की।

दैनिक भास्कर

'हिंदी विभाग, करीम सिटी में डॉ. रही मासूम रज़ा पर संगोष्ठी '

आज दिनांक 02 सितम्बर 2024 को महान साहित्यकार व महाभारत धारावाहिक के पठकथा लेखक डा. राही मासूम रजा की जयंती पर हिंदी विभाग, करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर में विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में वर्कर्स कॉलेज, जमशेदपुर के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता गुड़िया थीं।

सेमिनार में विषय प्रवेश करते हुए विभाग की प्रो. डॉ. संध्या सिन्हा ने कहा कि डा. राही मासूम रजा अपने को गंगा का बेटा कहते थे। गाज़ीपुर के गंगोली गांव में एक सितंबर 1927 में जन्मे डा. राही मासूम रज़ा एक ऐसे रचनाकार के रूप में प्रतिष्ठित हुए। जिनकी रचनात्मक उम्र संस्कृत से उर्दू तक और महाकाव्य से ग़ज़लों तक की रही है। भारतीय संस्कृति को गहराई से पहचानने वाले डा. राही मासूम रजा को रचना के लगभग हर क्षेत्र में बेशुमार शोहरत मिली।

अपने वक्तव्य में अतिथि वक्ता प्रो. सुनीता गुड़िया ने बताया कि डा. राही मासूम रजा उपन्यास से लेकर काव्य तक और ग़ज़ल से लेकर फ़िल्म संवाद तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं जहां अपनी मज़बूत समन्वयवादी विचारधारा और शैली के साथ हस्तक्षेप न किया हो। महाभारत के कभी ना भुलाए जा सकने वाले डायलॉग्स आज भी उनकी अद्भुत शैली का रंग बिखेरते हैं। राही मासूम रज़ा कट्टरता के सख़्त विरोधी रचनाकार तो थे ही लेकिन उनका विरोध अपने अंदर एक मूल्यवान सांस्कृतिक पहचान को समेटे हुए था। विभाजन से आहत रज़ा साहब हमेशा मिली-जुली संस्कृति के पैरोकार रहे हैं। यही कारण था कि सिर्फ़ रचना के स्तर पर ही नहीं बल्कि राजनीतिक स्तर पर भी वे सामाजिक समानता के प्रति संघर्षरत रहे। यही कारण है कि एक तरफ डा. राही मासूम रजा ,आधा गाँव' लिखते हैं तो दूसरी तरफ महाभारत टी. वी. सीरियल लिखते हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाषचन्द्र गुप्ता ने अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ. रही मासूम रज़ा किसी भी हद तक व्यवस्था के ख़िलाफ़ बुलंद आवाज़ में बोल सकते थे। वो भारतीय साझी संस्कृति और जीवन-शैली के बहुत बड़े अध्येता थे। उन्होंने राही के कई शायरी और कविताओं की पंक्ति उद्धृत की

सेमिनार में कई विद्यार्थियों ने रज़ा साहब की शायरी का पाठ किया और 4 विद्यार्थियों ने उनके किसी एक-एक उपन्यास पर चर्चा किया। अंत में विभाग के प्रोफ़ेसर डॉ. फिरोज आलम ने यह बताते हुए धन्यवाद किया कि डॉ. रज़ा की सामाजिक सरोकार से लिपटी इनकी गजलें और नज्में मन से कई सवाल करती हैं और पूरी भारतीयता के लिए व्यवस्था से मुठमेड करती हैं।

कार्यक्रम का सञ्चालन विभाग की छात्रा निशा भट्टाचार्जी ने किया| उक्त कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सेमेस्टर 1,2,3 एवं 6 के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे|



हिंदी विभाग करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर आयोजित करता है विभागीय सेमिनार



विषय: 'राही मासूम रज़ाः साझी संस्कृति के रचनाकार' अतिथि वक्ता -प्रो. सुनीता गुड़िया विभागाध्यक्ष, वर्कर्स कॉलेज, जमशेदपुर।

दिनांक: 02.09.2024, समय - 2.15 बजे अपराह्न, ई क्लासरूम - 2



विभागाध्यक्ष डॉ सुभाषचन्द्र गुप्ता ने अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ मासम रजा व्यवस्था के खिलाफ बलंद आवाज में बोल सकते थे. वो भारतीय साझी संस्कृति और जीवन-शैली के बहुत बड़े अध्येता थे. सेमिनार में कई विद्यार्थियों ने रज़ा साहब की शायरी का पाठ किया और 4 विद्यार्थियों ने उनके किसी एक-एक उपन्यास पर चर्चा किया.



अंत में विभाग के प्रोफ़ेसर डॉ फिरोज आलम ने यह बताते हुए धन्यवाद किया कि डॉ. रजा की सामाजिक सरोकार से लिपटी इनकी गजलें और नज्में मन से कई सवाल करती हैं और पूरी भारतीयता के लिए व्यवस्था से मुठमेड करती हैं.

कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा निशा भट्टाचार्जी ने किया. उक्त कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सेमेस्टर 1,2,3 एवं 6 के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे. y 8 8 ...

कट्टरता के शख्त विरोधी थे राही मासूम रजा : प्रो. सुनीता



करीम सिटी हिंदी विभाग की ओर से एक सेमिनार का आयोजन

प्रभात मंत्र संवाददाता

जमशेदपर: देश के महान साहित्यकार व महाभारत धारावाहिक के पठकथा लेखक डा. राही मासूम रजा की जयंती पर आज करीम सिटी हिंदी विभाग की ओर से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रूप में वर्कर्स कॉलेज, जमशेदपुर के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. चि गटिया थीं। प्रो. सुनीता हा, डा. राही मासूम

रजा उपन्यास से लेकर काव्य तक और गुज़ल से लेकर फ़िल्म संवाद तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं जहां अपनी मज़बूत समन्वयवादी विचारधारा और शैली के साथ हस्तक्षेप न किया हो। महाभारत के कभी ना भुलाए जा सकने वाले डायलॉग्स आज भी उनकी अद्भुत शैली का रंग बिखेरते हैं। राही मासूम रज़ा कट्टरता के सखूत विरोधी थे साथ ही अपने अंदर एक मूल्यवान सांस्कृतिक पहचान को समेटे हुए थे। विभाजन से आहत रज़ा साहब हमेशा मिली-जुली संस्कृति के पैरोकार रहे हैं। यही कारण था कि सिर्फ़ रचना के स्तर पर ही नहीं

बल्कि राजनीतिक स्तर पर भी वे सामाजिक समानता के प्रति संघर्षरत रहे। यही कारण है कि एक तरफ डा. राही मासूम रजा आधा गाँव लिखते हैं तो दूसरी तरफ महाभारत टी. वी. सीरियल लिखते हैं।

इस अवसर पर विभाग की प्रो. डॉ. संध्या सिन्हा, विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाषचन्द्र गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कई विद्यार्थियों ने रजा साहब की शायरी का पाठ किया और 4 विद्यार्थियों ने उनके किसी एक-एक उपन्यास पर चर्चा किया। प्रोफेसर डॉ. फिरोज आलम ने धन्यवाद दिया। संचालन छात्रा निशा भद्राचार्जी ने किया।

🛛 کریمٹی کالج میں ڈاکٹرراہی معصوم رضا پرمذا کرہ



جشیر پور سورتتبر (شاکر تقیم آبادی) عظیم اوب اور مها بهارت بفته دار کے خالق ڈاکٹر رائ معصوم رضا کی جنتی پر شعبہ ہندی کریم ٹی کائے جشید پور میں شعبہ جاتی سمینار کا انعقاد کیا گیا۔ مہمان مقرر کی حیثیت سے ورکزی کالح جشید پورے شعبہ ہندی کی صدر پروفیسر سیتا کڑیا موجود تھیں ہے بینار میں تصوصی کلچر ویش کرتے ہوئے ڈاکٹر شدھیا سنبا لدة اكثر راى معصوم رضا البيئة كالرفة كابينا كبتيه تقد - ذاكثر راى معصوم رضا ايك السيخليق كارتشد جن كى عمر ے اردو تک رہی۔ بھارتیسٹکر تی کو گرائی سے پہلے نے والے ڈاکٹر رائی معصوم رضا کی تخلیق میں میانہ روی جھنگتی ہے۔آخر میں شعبہ کے پروفیسر ڈاختر فیروز عالم نے تیبے بتاتے ہوئے اظہار تنظیر ہیٹی کیا کہ ڈاکٹر رضا کی ساجی غدمات کوفراموش نبین کیاجا سکتا۔ جبکہ پروگرام کی نظامت شعبہ کی طالبہ نیشا بھٹا جا ایدیے بحس تو بی ادا کیا۔

شعبه ہندی کریم سٹی کالج میں ڈاکٹر راہی معصوم رضا پر مذاکرہ



موے اظہار تفکر چی کیا کہ ڈاکٹر رضا کی التي خدمات كوفراموش نيس كياجا سكتا_ جبکه پروگرام کی نظامت شعبه کی طالبه

يروفيسر يتاكزيا موجود فيس يسمينار جس والفؤا كثرراي معصوم رضا كالخليق جس فسوسی لکچر پیش کرتے ہوئے ڈاکٹر میاندروی جملکتی ہے۔ آخر میں شعبہ کے مندصا سنها نے کہا کہ ڈاکٹر رائ معصوم پروفیسر ڈاختر فیروز عالم نے یہ بتاتے رضاا ہے کو گڑھا کا وہنا کہتے تھے۔ واکثر

بشيديور آبادی) عظیم اوب اور مها جمارت ہفتہ وار کے خالق ڈاکٹر رائی معصوم رضا ک جنتی پر شعبہ بندی کریم علی کالج جشید پورش هند بیانی سیزار کا افتحاد کیا درای معصور رضا ایک ایستی کارتیج سای فدمات کوفرار وژبی کیا بیا سکا سمار میمان مقرر کی دیشیت سے دورس جن کی عرستگرت سے اردو تک ری سے جبکہ پر درام کی فلامت شعبہ کی طال کا کی جمید پورٹ شعبہ جندی کی صدر بھار چید سنتر تی کو کئر ان سے بچیائے نیشا جنا چارید نے بچی وی اواکیا ۔

4 - 26 नवम्बर 2024

'हिंदी विभाग, करीम सिटी में त्वरित भाषण प्रतियोगिता'

आज दिनांक 26 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग, करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर में त्विरित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हिंदी विभाग के विभागध्यक्ष प्रो. डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता ने किया।

त्विरत भाषण प्रतियोगिता का परिचय देते हुए हिंदी विभाग की प्रो. डॉ. संध्या सिन्हा ने त्विरत भाषण की प्रकृति की चर्चा करते हुए इसके महत्व और भविष्य निर्माण में इसकी उपयोगिता का उल्लेख किया है। इन्होंने बताया कि त्विरत सोच और बोलने के अभ्यास के लिए त्विरत भाषण का आयोजन किया गया है।

इसके बाद हिंदी प्रतिष्ठा के सेमेस्टर 1 एवम 2 के 17 विद्यार्थियों ने दिए गए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। अध्यक्षीय भाषण विभागाध्यक्ष देते हुए डॉ सुभाष चंद्र गुप्ता ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति पर व्यापक चर्चा की। भाषण कला की सूक्ष्मता को बताया और इसके गुर पर प्रकाश डाला।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो डॉ फिरोज आलम ने विषय के ट्रीटमेंट की युक्तियों की चर्चा किया।

मंच संचालन सुशांत बोबोंगा(द्वितीय सेमेस्टर, मेजर हिंदी) और तानिया परवीन (प्रथम सेमेस्टर, मेजर हिंदी) ने किया।

उक्त कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्रथम पुरस्कार मारिया, द्वितीय सुशांत और तानिया तथा तृतीय पुरस्कार लालती ने प्राप्त किया। सेमेस्टर 1,2 एवम 3 के अंकिता, कशिश, प्रीति, सिद्धार्थ, रामानंद, शिखा, अभिमन्यु, रौशनी आदि छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।





Campus Boom > Blog > Campus > त्वरित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई ...

CAMPUS / CHILDREN COLUMN (बच्चों का कोना) EVENT & CULTURE / SOCIETY

त्वरित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा



हिंदी विभाग, करीम सिटी में त्वरित भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन हिंदी विभाग, करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर में त्वरित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता ने किया. त्वरित भाषण प्रतियोगिता का परिचय देते हुए हिंदी विभाग की प्रो. डॉ. संध्या सिन्हा ने त्वरित भाषण की प्रकृति की चर्चा करते हुए इसके महत्व और भविष्य निर्माण में इसकी उपयोगिता का उल्लेख किया है. इन्होंने बताया कि त्वरित सोच और बोलने के अभ्यास के लिए त्वरित भाषण का आयोजन किया गया है.

11:01 AM 🗸



प्रभात खबर - 27.11.24

Syllabus Distribution
During
2024-25
Semester 1, 2 and
Semester 3

SYLLABUS DISTRIBUTION

SL NO.	CLASS	COURSES	PORTIONS	PROF WHO TEACH
1	BA SEM- I (Major)	Major - 1	History of Hindi Literature	SG (Unit 1) SS (Unit 2+3) FA (Unit 2+3)
2		AEC-1 (Arts, Comm, Science, Voc.)	Hindi Vyakaran Evam Anuvad	SS & FA (Com) SS & FA (Sc. Voc.) SS & FA (Arts) SS & FA (Voc.)
3		MDC – 1 (Arts, Comm, Science)	Hindi Bhasha aur Sahitya	SS (Com + Arts+ Sc+Voc) FA (Com + Arts+ Sc+ Voc) SC - (Com + Arts+ Sc+ Voc)
4	Minor		Hindi Bhasha evm Sampreshan Kaushal	SS (UNIT 5 and 6) FA (UNIT 1 and 4) SG (UNIT2 and 3)
5	BA SEM-2 (Major - 2)	Major- 2 Major- 3	Hindi Sahitya Ka Uttar- Madya Kaal Hindi Sahity- Bhartendu Yugin Kavya se Chhayavaadi Kavya tak Itihas evm Rachnayen	SS (UNIT 2) FA (UNIT 1) SC (UNIT 1) SS (UNIT 3) FA (UNIT 2)
6	Minor -2A		Vigyapan Samachar Lekhan	SS (UNIT 2) FA (UNIT 1)
7	MDC – 1		Hindi Bhasha aur Sahitya	SC (UNIT-2) SS (UNIT 1) FA (UNIT-2)
8	BA SEM-3 (Major - 4)	Major- 4	Chayavadottar Kaal	SC (UNIT 1) SS (UNIT 2) FA (UNIT 3)
9	BA SEM-3 (Major - 5)	Major- 5	Hindi Sahitya: Pragativaad se Bisavi Shatabdi tak	SC(UNIT 1, 3) SS (UNIT 2) FA (UNIT 4)
10	Minor -3A		Srijanatmak Lekhan	SS (UNIT 2) FA (UNIT 1)

SC – Dr. Subhash Chandra Gupta

SS - Dr. Sandhya Sinha

FA – Dr. Firoj Alam

DEPARTMENTAL ROUTINE

During

2024-25

DEPARTMENTAL ROUTINE

DEPARTMENT OF HINDI- SESSION – 2024-25

SEM- 1,2 (FYUGP), Sem 6(CBCS)

DAYS	1	2	3	4	5	6	7
	11.00 -	12.00 -	1.00 -2.00	2.00 - 3.00	3.00 - 4.00	4.00 - 5.00	5.00 - 6.00
	12.00	1.00					
MON	Sem -	MJ-3 – SC	Sem -1	AEC 1 –	MDC-2 FA	SEM 4	AEC 1 -
	4(H) SC-	(R-1)	(MJ-1) —	ARTS(A) -	SEM 4 CC-	DSC MIL	ARTS(B)-
	CC-10		SC (R-1)	SS	8 – SS	FA	SS
	(R-1)			AEC 1 – SC.			
				- FA			
				SEM -4 GE-			
				SC			
TUES		AEC 1 -	MDC-2 -	MN 2 - SS	MDC-1 SC	AEC 1 -	AEC 1 -
		ARTS(A)	FA	GE 4 - FA	MJ-2 – SS	COM SS	ARTS(B)
		FA	SEM 4 CC-			MJ 3 - FA	FA
		Sem -	8 – SS				SEM 4
		4(H) SC-	Sem -4(H)				DSC MIL -
		CC-10 (R-	FA- CC-9				SC
		1)	(R-1)				
WED	Sem -	Sem -	MJ-1 SS	MDC-1 SC	Sem -4(H)	MN 1 - SC	Sem -4-
	4(H) SS-	4(H) SC-	SEM 4	GE-4 - SC	SS- CC-8	AEC 1 -	SEC -SC
	CC-8 (R-	CC-10 (R-	DSC MIL		(R-1)	COM FA	
	1)	1)	FA		MN 2 - FA		
THURS	Sem -	MN 2 -	MJ-1 SC	GE-4 - SS	MN 1 - FA	MDC-1 SS	SEM 4
	4(H) FA-	FA	Sem -4(H)			MDC-1 FA	SEC - SS
	CC-9		SS- CC-8				
	(R-1)		(R-1)				
FRI	AEC 1 -	X	X	MJ-3 – SC	Sem -4(H)	MJ-1- FA	MN 2 FA
	VOC- SS			(R-1)	FA- CC-9	(R-1)	
					(R-1)		
SAT	AEC 1 -	AEC 1 -	MN 1A -	MJ-2 – SS	MDC-1 FA	MDC-2 SC	DSE MIL-4
	VOC-	SC. – SS	SS	(R-1)			SS
	FA	MJ 3 - SC					CC- 9 - FA
	Sem -						
	4(H) SC-						
	CC-10						
	(R-1)						

ADMISSION AND RESULTS 2024-25

ADMISSION

YEAR	Admission	PASSED	1 ST DIV.	2 ND DIV	PASS %
2024- 28	30	-	-	-	-

RESULT

YEAR	Result	APPEARE	PASSED	1ST DIV.	1ST DIV	2 ND DIV	PASS %
		D		with			
		In Last		Dist.			
		Sem					
2020- 23	13	13	-	3	10	00	
2023-27	32	32	32	-	-	-	100%
Sem-1							
(FYUGP							
)							

Special Features -

1. In the year 2023, Priya Das, Aryyavant Mahakud and Sahil Pattnayak of Karim City College, Hindi Hons, got the Distinction by securing first Division in the Hindi department of the Kolhan University.

ACADEMIC PROGRESS OF DEPARTMENTAL PROFESSORS

2024-25

DURING

Dr. Subhash Chandra Gupta

Assistant Professor, Dept. of Hindi Karim City College, Jamshedpur

- 1 Article published in 'AKSHARWARTA' UGC international referred and peer reviewed journal with impact factor-8.0, ISSN NO-2349-7521 October 2024 titled:"Kavita Ka Hastakshep."
- 2 Article published in 'AKSHARWARTA' UGC international referred and peer reviewed journal with impact factor-8.0, ISSN NO-2349-7521 October 2024 titled:"Hindi Kavita me Prem Ki Vividh Chhaviyan."
- 3 Article published in 'Muktanchal' UGC international referred and peer reviewed journal, ISSN NO-2350-1065 October-December 2024 titled:"Lok Sahitya: Savaltron Itihas Lekhan Ka Ek Pramukh Srot."

3 DR. Firoj Alam

Assistant Professor, Dept. of Hindi Karim City College, Jamshedpur

1 Article published in 'AKSHARWARTA' UGC international referred and peer reviewed journal with impact factor-8.0, ISSN NO-2349-7521 August 2024 titled:"Rukogi nahi Radhika."

Department of Hindi

Vision and Mission of

2024-25

- 1 Planning to propose Post-Graduation Course of Hindi.
- 2 Developing Professional outlook among the Hindi Honors Students.
- 3 To make the students able to perform their qualities by Organizing language Skill-Development Programs for the students of Hindi Language and literature.
- 4 For the Students interested in literary wiring and composition, organizing workshops for Understanding, development and sharpening of literary writing skills.
- 5 To provide my personal support and empathy to my students, specially to the NEEDY students.
- 6 Since this is the era of Globalization, I would like to develop a Global outlook among my students and try to make them able to meet every day upcoming challenges of personal and professional fields.
- 7 To develop my students as worthy world citizen who can look after the problems of common people at global level and can make remarkable footprints by their creativity and courage.
- 8 To develop an interdisciplinary attitude among the students who can establish a good relationship with the people and program of other fields and subjects.
- 9 To look after the college and Job linkage by organizing placement programs in the college and department.
- 10 Since this is the era of technology, (Especially due to CORONA pandemic), I would like to make able my students technically efficient, creative and sound to nicely perform their duties and qualities on each and every front of life.
- 11 To develop a peer-feeling and alumnae-feeling along with love and affection for the Institution 'Karim City College'.

New Courses Development Plan (If any):

- 1 Skill development course
- 2 Developing Creative Writing Course
- 3 Translation and transcreation course.

